

ॐ जय शिव ओंकारा । By Mukesh Bagda ।

ॐ जय शिव ओंकारा
भज हर शिव ओंकारा ।
ब्रह्मा विष्णु सदा शिव,
अर्धांगी धारा ॥ ॐ जय शिव ओंकारा ॥

एकानन चतुरानन पंचानन राजे
हंसासन गरुडासन वृषवाहन साजे ।
ॐ जय शिव ओंकारा ॥

दो भुज चार चतुर्भुज दस भुज ते धारा
तीनों रूप निरखता त्रिभुवन जन तारा ।
ॐ जय शिव ओंकारा ॥

अक्षयमाला वनमाला मुण्डमाला धारी
चंदन मृगमद सोहे भालें शशि धारी ।
ॐ जय शिव ओंकारा ॥

श्वेताम्बर पीताम्बर बाघाम्बर अंगे
संकादिक गरुडादिक भूतादिक संगे ।
ॐ जय शिव ओंकारा ॥

कर में श्रेष्ठ कमंडल चक्र त्रिशूल धरता
जगकर्ता जगपालक जग संकट हरता ।
ॐ जय शिव ओंकारा ॥

ब्रह्मा विष्णु सदा शिव जानत अविवेका
प्रणवाक्षर में शक्ति तीनों की देखा ।
ॐ जय शिव ओंकारा ॥

त्रिगुण स्वरूपिणी जननी जय जय मां
तुम्हे भजें नर-नव योगी, मुनि शिवा ।
ॐ जय शिव ओंकारा ॥

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a5%90-%e0%a4%9c%e0%a4%af-%e0%a4%b6%e0%a4%bf%e0%a4%b5-%e0%a4%93%e0%a4%82%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a4%be-by-mukesh-bagda/>